pp लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक website: www.pawanprawah.com

पवन प्रवाह

सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह

डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17

वर्ष 04 अंक 19 लखनऊ। सोमवार 29 से 04 फरवरी-2018 e-mail-pawanprawah@gmail.com मूल्य : तीन रूपये पृष्ठ-16

घने कोहरे में सड़क दुर्घटना से कैसे बचें?

लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

हमारे भारतवर्ष में पिछले कुछ वर्षों से जाड़ों में कोहरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। लगभग एक से दो-माह तक हर जगह कोहरा ही कोहरा दिखाई देता है, जिसकी वजह से विजिबिलिटी काफी कम हो जाती है। ऐसे में ड्राइविंग करना तो ओर भी मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में, नेशनल हाईवे तथा अक्सर दिल्ली-आगरा व इस वर्ष लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में बहुत अधिक वृद्धी हो गई है और इससे हर साल सैकड़ों लोगों की जान चली जा रही है। यमुना एक्सप्रेस वे पर कोहरे (फॉग) की वजह से 18 कारें 9 नवम्बर 2017 को टकरा गईं, ऐसे में हमें जरूरत है कोहरे में सावधानी बरतने की, जिससे कोहरे में भी ड्राइविंग सुरक्षित हो सकती है। आइये इस पर विचार मंथन करें और कुछ ऐसे खास टिप्स को अपनाये जिनकी मदद से सफर सुरक्षित और आसान बन जाय।

(भाग-05)

1.0 घने कोहरे में कैसे करें सेफ ड्राइव

●कोहरे में गाड़ी के हेडलैम्प्स को हाई बीम पर बिल्कुल न रखें क्योंकि इससे कोहरे में रोशनी फैल जाती है और सामने कुछ नजर नहीं आता।

●फोग लैंप का प्रयोग करें और हेडलैम्प्स लो बीम पर रखें। इससे देखने में आसानी होगी और सामने से आ रही गाड़ी भी आपको ठीक से देख पायेगी।

●कोहरे में सिर्फ फॉग लाइट्स ऑन करके ड्राइविंग करना भी खतरनाक हो सकता है, क्योंकि दूर से आने वाली गाड़ी को फॉग लाइट्स दिखाई नहीं देतीं। इसलिए फॉग लाइट्स के साथ-साथ हेडलैम्प्स भी ऑन रखें।

●कोहरे में आपके आगे चल रही गाड़ी से उचित दूरी बना के रखें यह भी एक सेफ तरीका है ड्राइविंग का।

●जब भी आपको कहीं मुड़ना हो तो एक दम से इंडिकेटर न दें, यह खतरनाक साबित हो सकता है, मुड़ने से कुछ देर पहले इंडिकेटर दें जिससे दूसरी गाड़ियों को टाइम मिलेगा।

●कोहरे में अक्सर सड़कें गीली रहती हैं इसलिए ब्रेक के लिए ज्यादा दूरी रखना अच्छा रहता है।

●हाईवे पर सड़कों के किनारे पर बनी पीली लाइन को फॉलो करके भी आसानी से गाड़ी चलाई जा सकती है।

●घने कोहरे में सड़क के बाएं किनारे को देखकर गाड़ी चलाएं, जिससे आपकी गाड़ी एक सीधी दिशा में बिना इधर-उधर भटके चलती रहेगी।

●हाईवे पर सड़कों के किनारे पर बनी पीली लाइन को फॉलो करके भी आसानी से गाड़ी चलाई जा सकती है।

●कोहरे में कभी भी हाई स्पीड पर गाड़ी न चलायें और आगे चल रहे किसी गाड़ी को ओवरटेक करने की बजाय उचित दूरी रखें तो सही मौका मिलने पर ही ओवरटेक करें।

●अगर आपकी कार में फॉग लैम्प्स नहीं है तो लगवा लें क्योंकि ये धुंध को काटने में मददगार साबित होते हैं।

●आप सभी अपनी-अपनी गाड़ियों के पीछे रिफलेक्टर जरूर लगवाएं। रेडियम टेप भी काफी कारगर रहती है। क्योंकि लाइट पड़ने पर ये चमकने लगती है और पीछे से या सामने से आ रहे वाहन को आपकी स्थिति का अनुमान हो जाता है।

●यदि आपको किसी कारणवश रूकना पड़े तो गाड़ी को सड़क किनारे खड़ा करें उसके बाद पार्किंग इंडिकेटर ऑन कर दें।

●कोहरे में पार्किंग इंडिकेटर ऑन करके ही कार चलायें और अगर मुड़ना हो तो पार्किंग इंडिकेटर कुछ समय पहले ही बंद कर दें फिर जिस साइड मुड़ना हो वहां का इंडिकेटर चालू कर दें।

●एक और सबसे खास बात जहां तक संभव हो अगर कोहरा पड़ रहा है तो सड़कों पर न निकलें। बहुत जरूरी होने पर ही कोहरे में वाहन को लेकर जाएं।

2.0 घने कोहरे में स्कूल बसों के ड्राइविंग में सावधानियां

●पुलिस अधिकारियों के अनुसार स्कूल संचालकों को निम्न निर्देश दिया जाना चाहिये कि स्कूल संचालक अपनी बसों में ट्रेंड ड्राइवरों को ही रखें।

●बच्चों को स्कूल ले जाने और वापस घर छोड़ने के दौरान सुरक्षा संबंधी हिदायतों का पालन करें।

●वाहनों में इमरजेंसी में काम आने वाले सभी उपकरण सही हालत में हों और हर वाहन में फर्स्ट एडबॉक्स हर हाल में होना चाहिए।

●नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

●कोहरे में चालक अपने वाहन की गति धीमी रखें।

●सभी वाहन चालकों को अपने वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर जरूर लगवाना चाहिए। रेडियम टेप भी कारगर साबित होती है।

●वाहनों में फॉग लाइट्स का प्रयोग अवश्य करें।

●वाहन को सड़क किनारे पार्क करते समय उसके इंडिकेटर और पार्किंग लाइट को ऑन करके रखें।

3.0 गुड़गांव शहर में घने कोहरे का एक उदाहरण

जनवरी 01-02, 2018 को घने कोहरे ने गुड़गांव शहर और उसके पूरे क्षेत्र को अपने चादर में ढक दिया है। कोहरा की सघनता के साथ ही वाहनों दुर्घटना की संभावना भी बढ़ गई है। सड़क सुरक्षा से जुड़े एक गैर सरकारी संगठन का दावा था कि कोहरे में 60 फीसदी वाहन दुर्घटनाएं बढ़ जाती है, लेकिन कुछ सावधानी रखकर इसे कम किया जा सकता है। वाहन चालकों को सर्दी के मौसम में अपने वाहनों को चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने और यातायात से संबंधित कुछ जरूरी हिदायतों का पालन करना चाहिए। सुरक्षित ड्राइविंग से सड़क हादसों पर बहुत हद तक रोक लगाई जा सकती है। गुड़गांव में भारी ट्रैफिक को देखते हुए यहां के लिए कोहरा किसी आफत से कम नहीं है। जैसे-जैसे कोहरा घना होता जा रहा था, शहर की आंतरिक सड़कों सहित, हाईवेज पर वाहन रेंगते नजर आ रहे थे।

दोपहर के समय भी वाहनों का काफीला हेडलाइट जलाकर चल रहे थे। वावजूद इसके विजिविलीटी शून्य से 10 मीटर तक ही रही। तो वहीं वाहनों का जाम और धीमी गति के कारण कार्बन उत्सर्जन की मात्रा भी सामान्य से आठ गुना अधिक बताया गया। इसी गत दो-दिनों मे सूरज न निकलने से तापमान में जबरजस्त गिरावट आई, हवाओं की गति भी कम होने से कोहरे का जमाव लगातार कायम रहा। अचानक तापमान गिरने से शाम को ही कोहरे की शुरुआत हो जाती रही जिसके कारण कार्यालय से होकर घरों को लौटने वाले वाहनों के लिए काफी मुश्किले खड़ी हो गई थी। जिसके कारण वाहन चलाने के निर्देश जारी किये गये।

●धुंध को काटने में फॉग लाइट्स कारगर रहती हैं लिहाजा वाहन चालक फॉग लाइट्स का इस्तेमाल अवश्य करें।

●जहां तक हो सके कोहरे में सड़क पर निकलने से बचें।

●कोहरे में जहां तक संभव हो सार्वजनिक वाहनों का प्रयोग किया जाना चाहिए।

●कोहरे में वाहन की पार्किंग लाइट्स को चालू रखें ताकि अन्य चालकों को आपकी गाड़ी की सही स्थिति का पता लग सके।

●वाहन की हेडलाइट्स को हाई बीम पर न रखें। ऐसा करने से कोहरे में रोशनी बिखर जाती है और सामने कुछ नजर नहीं आता।

●हेडलाइट्स लो बीम पर रखें, इससे देखने में आसानी होगी और दूसरों को आपकी गाड़ी की सही स्थिति का पता चल सकेगा।

●सभी वाहन चालकों को अपने वाहनों के पीछे रिलेक्टर जरूर लगवाने चाहिए, रेडियम टेप भी कारगर साबित होती है।

●किसी भी नागरिक के नोटिस में कोई सड़क हादसा आए तो तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को 100 नंबर पर सूचित करें।

●सड़क हादसों के बारे में कोई भी सूचना हरियाणा पुलिस की ट्रैफिक हैल्पलाइन के नंबर 1073 पर भी दी जा सकती है।

●कोहरे में सुरक्षित ड्राइविंग के लिए सबसे बेहतर है कि आगे वाले वाहन से दूरी बनाए रखे।

***